भायप

(रामायणान्तर्गत आदर्श भ्रातृ-प्रेम की झाँकी)



प्रेम-त्याग-कर्तव्य-त्रिबेनी ।
'भायप' यह आदर्श-नसेनी ॥

शुभ-बन्धु

